

ऊंचे रे भाखर में थारो देवरो ओ ब्राह्मणी मोटी मां



ऊंचे रे भाखर में थारो देवरो,
ओ ब्राह्मणी मोटी मां,
थारी धजा फरुके आसमान में,
आओ माता ब्राह्मणी मां **IbdI**

घेर घुमालो पेरण गागरो,
ब्राह्मणी मोटी मां,
थारे ओढ़न डिखणी रो चीर मां,
आओ माता ब्राह्मणी मां **IbdI**

दूर देशा रा आवे जातरी,
ओ ब्राह्मणी म्हारी मां,
थारे आवे आवे नर ओर नार,
मां आओ माता ब्राह्मणी मां **IbdI**

लड्डू चढ़ावे थाने चूरमा,
ओ ब्राह्मणी मारी मां,
थाने चाड़े चाड़े लीलरिया नारियल,
मां आओ माता ब्राह्मणी मां **IbdI**

हाथा पगल्या री मेहंदी राचणी,
ओ ब्राह्मणी मारी मां,
थारे चुड़ला में सोवे रे मसीज,
मां आओ माता ब्राह्मणी मां **IbdI**

ढोल नगारा थारे बाजणा,
ओ ब्रह्मणी म्हारी मां,
थारे बाजे बाजे झालर की झंकार,
मां आओ माता ब्राह्मणी मां **IbdI**



रमेश सारण री सुणजो विनती,
ओ ब्रह्मणी म्हारी मां,
थारे युग युग चरणो रो दास,
मां आओ माता ब्राह्मणी मां।bd।

ऊंचे रे भाखर में थारो देवरो,
ओ ब्राह्मणी मोटी मां,
थारी धजा फरुके आसमान में,
आओ माता ब्राह्मणी मां।bd।

गायक – रमेश सारण बाडमेर
9571547445
